गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए सहायता

5623. **प्रो॰ राम बख्श सिंह वर्मा:** क्या कृषि मंत्री 9 दिसम्बर, 1994 और 23 दिसम्बर, 1994 को क्रमशः राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं॰ 488 और तारांकित प्रश्न सं॰ 254 के दिये गये उत्तरों को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने हेतु किसानों को सहायता देने पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) जी, हां।

(ख) इस योजना के अन्तर्गत, महिलाओं सहित किसानों, फार्म कार्मिकों को नयी-विकसित उत्पादन प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता प्राप्त बीजों के उत्पादन पर प्रदर्शन, उन्नत यंत्रों के वितरण आदि के बारे में प्रशिक्षण पर सहायता दिए जाने का प्रस्ताव है।

खाद्यान्नों की कुल आवश्यकता की पूर्ति हेतु कुछ ही राज्यों पर निर्भरता

5624. **प्रो॰ राम बख्शसिंह वर्मा:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश को खाद्यान्नों की अपनी कुल आवश्यकता की पूर्ति के लिए कुछ ही राज्यों पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि कुछ अनाज उत्पादक राज्यों ने भी नकदी फसलों का उत्पादन शुरू कर दिया है;

(ग) क्या यह सच है कि देश में धान की खेती वाले क्षेत्र में कमी आई है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए क्या कदम उठा रही है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) जिन राज्यों के पास खाद्यान्नों के उत्पादन में मण्डी योग्य अधिक बचत है, वे अधिप्राप्ति के केन्द्रीय हिस्से में मुख्य रूप से योगदान दे रहे हैं। तथापि, सभी राज्य कुछ सीमा तक खाद्यान्नों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए खाद्यान्न पैदा कर रहे हैं।

(ख) अधिकतर राज्यों में खाद्यान्नों के साथ नकदी फसलें पैदा करने की सामान्य प्रथा है। खाद्यान्न उगाने वाले क्षेत्र को नकदी फसलों के क्षेत्र के अंतर्गत लाने का कोई बड़ा परिवर्तन नहीं किया गया है सिवाय इसके कि मोटे अनाजों वालों कुछ क्षेत्र पर तिलहन फसलों की खेती की जा रही है।

(ग) देश में धान की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र ने 1980-81 से 1993-94 की अवधि के दौरान 0.49 प्रतिशत प्रतिवर्ष की मिश्रित विकास दर को दर्शाया है। तथापि, पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1991-92 से 1993-94 के दौरान क्षेत्र में मामूली घटाव-बढ़ाव रहा है, जिसका श्रेय 1991-92 और 1992-93 के दौरान कुछ मुख्य धान पैदा करने वाले उत्तर प्रदेश व बिहार राज्यों में वर्षा की कमी को जाता है।

(घ) विभिन्न राज्यों में चावल आधारित फसल प्रणाली वाले क्षेत्रों (आई॰सी॰डी॰पी॰—चावल) में समेकित अनाज विकास कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है।

बीजों की आपूर्ति

5625. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बीजों की आपूर्ति के संबंध में कोई दिशा-निर्देश जारी किये हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि इन दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन को कोई महत्व नहीं दिया गया है; और

(घ) सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस॰ कृष्ण कुमार): (क) जी, नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न ही नहीं होता।

Schemes for Fishing in the Reservoir

5626. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government of Madhya Pradesh have submitted certain schemes regarding fishing in the reservoir for approval;

(b) if so, the details thereof;